Communication, Coordination and Collaboration

-Strengthening the fight against counterfeiting and smuggling-

22 February 2019, Hotel Taj Mahal, Lucknow

Hindustan times

FICCI CASCADE SEMINAR

'Counterfeit goods big source of income for criminal activities'

HT Correspondent
lkoreportersdesk@htlive.com

LUCKNOW: Trade of counterfeit goods is not only destroying the economy and eating up jobs, but is also a big source of income for criminal activities, including terrorism, and the authorities concerned are struggling to check the menace, said experts.

At a seminar organised by FICCI Cascade (Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy) on Friday, officials of the Directorate of Revenue Intelligence (DRI), customs and traders expressed concern over the markets being flooded with counterfeit goods. "A FICCI Cascade report released in 2015 pointed out total loss to the government on account of illicit goods in markets in just seven manufacturing sectors to Rs 39,239 crore," said PC Jha, former chairman, Central Board of Indirect Taxes and Customs, while addressing the gathering. He is also advisor to FICCI cascade.

"Amongst various sectors, maximum revenue loss to the exchequer is attributed to tobacco products, estimating a revenue loss of Rs 9,139 crore, followed by mobile phones (Rs 6,705 crore) and alcoholic beverages (Rs 6,309 crore)," added Jha.

He also pointed out that during the last 20 years, the volume of counterfeiting activity globally had increased 100 times and the size of trade in counterfeited goods was 10% of the legal international trade (around 2% of the world's overall economic output). The problem of illicit trade was much more serious than it was commonly perceived, asserted Jha.

Minister Brijesh Pathak at the FICCI event in Lucknow on Friday. HT

According to a recent FICCI report, 'Illicit trade: Fuelling Terror Financing and Organised Crime', counterfeiting was the second largest source of income for criminal activities such as terrorism, globally.

The report also highlighted that the total employment loss globally due to trade of counterfeit goods and piracy stood at 2 to 2.6 million jobs in 2013 and was expected to rise to 4.2-5.4 million jobs in 2022, suggesting an approximate increase of 110%.

Deep Chand, advisor, FICCI Cascade and former special commissioner of Delhi Police, said: "Consumers must be made aware of detrimental impact of illicit products."

Consumer awareness campaigns that explain how to differentiate a spurious product from a genuine one, to demanding a copy of the bill from the seller, along with the harmful consequences of buying illegal products need to be explicitly conveyed, he added.

Speaking on the occasion, IPS officer Nilabja Chaudhary, stressed on the need of cooperation from industry to curb the menace. Additional commissioner, customs, AR Naik, emphasised on monthly meetings between regulatory agencies like DRI, cops and trader organisations to check the menace.

Additional director, DRI, VK Singh, discussed about the menace of large-scale counterfeit goods moving into India from neighbouring country, Nepal.

The event was attended by more than 100 industrialists and representatives from consumer forums, government officials and stakeholders in this segment. The seminar was supported by the UP Adarsh Vyapar Mandal.

Brajesh Pathak, cabinet minister, legislative and justice, requested industrialists and traders to recommend suggestions to check the menace. He said that if the government got support from the general public, it would be in a better position to fight smuggling and counterfeiting of goods.

Traders want more co-operation from enforcement agencies

LUCKNOW: Traders' organisations have demanded more cooperation from enforcement agencies to check the menace of counterfeiting. Sanjay Trivedi, general secretary, UP Adarsh Vyapar Mandal, said: "We do not get proper response from the authorities concerned whenever we complain or report any matter related with counterfeit goods."

"Counterfeit goods are not only causing financial loss to traders but are also harmful for the general public," he added. Trivedi urged DRI officials and police to take prompt action on complaints and have regular interactions with traders' bodies for decisive action against counterfeit goods. HTC

Amar Ujala

नकली सामानों से आम लोगों की सेहत को खतरा

फिक्की कैसकेड व व्यापार मंडल की ओर से आयोजित सेमिनार में विशेषज्ञों ने किया आगाह

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। बाजार में हर साल 75 हजार करोड़ रुपये के नकली ऑटो पार्ट्स खपाए जाते हैं। चार हजार करोड़ रुपये की शराब बेची जाती है और ऐसे ही नकली दवाओं से लेकर मोबाइल पार्ट्स तक की भरमार बाजार में है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है, जबकि आम लोगों की सेहत भी दांव पर है। ऐसे में नकली उत्पादों का कारोबार हर हाल में खत्म करना होगा। इसे रोकने के लिए इंडस्ट्री, सरकार, कस्टम जैसी एजेंसियों को साथ काम करना होगा। ये बातें फिक्की कैसकेड और उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल की ओर से शुक्रवार को एक निजी होटल में स्मगलिंग व नकली उत्पादों के खिलाफ जंग विषय पर आयोजित सेमिनार में विशेषज्ञों ने कहीं। सेमिनार में फिक्की सदस्य अमर तुलस्यिान, भारत ज्योति कंज्यूमर फोरम के विजय आचार्य, एफएसआई के एके जैन उपस्थित रहे।

विशेषज्ञ बोले रोकना होगा नकली उत्पाद का कारोबार

सेमिनार में अपनी बात रखते लोग। अमर उजाला

नकली सामनों से कैंसर का खतरा

कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मिलावटी सामान कैंसर जैसे रोगों को बढ़ावा दे रहा है। जांच परख के बाद ही सामान खरीदना चाहिए। वहीं ग्लोबल टैक्सपेयर ट्रस्ट के चेयरमैन मनीष खेमका ने कहा कि 2012 के आंकड़ों की बात करें तो नकली उत्पादों से सेल का 75 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। इस मुद्दे पर सरकार, इंडस्ट्री, जनता को समग्रता में विचार करना पड़ेगा। व्यापारी नेता संजय गुप्त ने कहा कि नकली उत्पादों से उद्योगों के साथ व्यापारियों को नुकसान हो रहा है।

टैक्स ज्यादा होगा तो बढ़ेगी तस्करी

फिक्की कैसकेड के सलाहकार पीसी झा ने कहा कि जब टैक्स ज्यादा होगा तो सोने व सिगरेट जैसे सामानों की स्मगलिंग बढ़ जाती है। फिक्की एडवाइजर ने कहा कि नकली सामान में सबसे बड़ा मुद्दा स्वास्थ्य का है। यूपी पुलिस के आईजी नीलाब्ज चौधरी, कस्टम के एडिशनल कमिश्नर एआर नाइक, व एडिशनल डायरेक्टर रेवेन्यू विजिलेंस वीके सिंह ने अपनी बात रखी।

तकनीक की मदद से पहचानें नकली सामान

चेकफेक ब्रांड प्रोटेक्शन सॉल्यूशन के निदेशक तन्मय जायसवाल ने बताया कि 17 प्रतिशत शराब, 25 प्रतिशत मोबाइल पार्ट्स और 40 फीसदी ऑटो कम्पोनेंट नकली आते हैं। उन्होंने बताया कि नकली उत्पादों तो तकनीक से पहचान सकते हैं। मसलन, ओवर्ट यानी होलोग्राम या स्पेशल इंक, डिजिटल यानी क्यूआर कोड या एल्फा न्यूमेरिक व्यवस्था, कोवर्ट ऐसी तकनीकी जिसे अल्ट्रावायलेट लाइट और चौथी फॉरेंसिक जांच से नकली उत्पादों की पहचान आसानी से होती है।

गांवों में खपाए जा रहे 75 प्रतिशत नकली उत्पाद

अमर उजाला वेब सर्विसेज के सीनियर एडिटर (कनवर्जेंस) संजय अभिज्ञान ने कहा कि नकली कलपुर्जों से सालाना 35 हजार लोगों की मौत हो रही है। इसे भी मुद्दा बनाया जाना चाहिए। नकली उत्पादों का असल मार्केट ग्रामीण इलाके हैं, जहां 75 प्रतिशत सामान खपाया जाता है। वहीं विशेषज्ञ टीकाराम ने कहा कि समाज को संवेदनशील होना पड़ेगा। एडवोकेट अनुज दयाल ने कहा कि नकली सामान पकड़े जाने को अपराध की श्रेणी में लाना चाहिए।

Hindustan

फिक्की व आदर्श व्यापर मंडल द्वारा आयोजित सेमिनार में भाग लेते मंत्री बृजेश पाठक।

नकली सामान पर रोक के लिए सख्ती से काम लें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल एवं फिक्की के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को गोमती नगर स्थित निजी होटल में नकली उत्पादों की बिक्री, मिलावटी सामान की बिक्री, तस्करी के कारण भारत के व्यापार एवं सरकार के राजस्व पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि नकली सामान के कारण लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य से खिलवाड़ होता है। व्यापारी नेता संजय गुप्ता, उद्योगपति अमर तुलस्यान, फिक्की के सलाहकार दीपचंद, स्टेट हेड अमित, अधिशासी अधिकारी अंशुमाली बाजपाई मौजूद थे।

Dainik Jagran

'जागरूकता से ही रुकेगी जालसाजी'

जासं, लखनऊ : अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही जालसाजी और तस्करी जैसी गतिविधियों के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग और गठजोड़ पर सेमिनार का आयोजन किया गया। फिक्की कास्केड की ओर से गोमती नगर स्थित होटल में आयोजित कार्यक्रम में जालसाजी और तस्करी के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व और भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रभावी प्रवर्तन की जरूरत पर विमर्श हुआ। मुख्य अतिथि एवं विधि व न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक ने जोर दिया कि उद्योग जगत इस संबंध में अपनी सिफारिशें दे। भविष्य में नीतियां बनाते समय इन्हें संज्ञान में लिया जाएगा।

फिक्की उप्र स्टेट काउंसिल के सदस्य अमर तुलसीयान ने स्वागत संबोधन में उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्था पर जालसाजी एवं तस्करी से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए वैध उद्योगों के अधिकारों की रक्षा की जरूरत को समझना बहुत जरूरी है। फिक्की कास्केड की 2015 में जारी रिपोर्ट के अनुसार केवल सात विनिर्माण क्षेत्रों में अवैध कारोबार के कारण सरकार को 39.239 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में तंबाकू उत्पादों के अवैध कारोबार से सरकारी खजाने सर्वाधिक 9139 करोड़ रुपये का अनुमानित घाटा हुआ। इसके बाद मोबाइल फोन के अवैध कारोबार से 6705 करोड़ रुपये और एल्कोहलयुक्त पेय के अवैध कारोबार से 6309 करोड़ रुपये का घाटा हुआ।

फिक्की कास्केड की ओर से गोमती नगर स्थित होटल में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य

■ जालसाजी और तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग और गठजोड़ पर सेमिनार

कार्यक्रम में मौजूद लोग

फिक्की की हालिया रिपोर्ट 'अवैध कारोबार

आतंकवाद और संगठित अपराध का वित्तपोषक' के मुताबिक वैश्विक स्तर पर आतंकवाद जैसी आपराधिक गतिविधियों के लिए जालसाजी आय का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। फिक्की कास्केड के सलाहाकार और दिल्ली पुलिस के पूर्व विशेष आयुक्त दीप चंद ने अवैध उत्पादों के घातक प्रभाव को लेकर ग्राहकों को जागरूक करने की दिशा में लगातार प्रयास की जरूरत पर जोर दिया। जाली उत्पाद और असली उत्पाद के बीच अंतर को पहचानने के तरीके, विक्रेता से बिल की कॉपी मांगने के साथ-साथ असली उत्पादों की जगह अवैध उत्पाद खरीदने के घातक प्रभावों को बताने वाले जागरूकता अभियानों की जरूरत है और इससे जुड़ा संदेश तेजी से प्रसारित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान पैनल परिचर्चा में तस्करी कर लाए हुए एवं जाली उत्पादों के खिलाफ लड़ाई में और उपभोक्ता की सुरक्षा व भारत में संगठित अपराध पर नकेल की दिशा में सरकार एवं उद्योग की भूमिका पर चर्चा हुई। तस्करी एवं जालसाजी से लड़ने में प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका पर भी बात हुई, जिसमें विभिन्न उद्योगों, उपभोक्ता संगठनों एवं पुलिस व सीमा शुल्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने विचार रखे।

Navbharat Times

आतंकी संगठनों तक पहुंच रही अवैध कमाई

फिक्की कास्केड के सेमिनार में विशेषज्ञों ने चेताया

■ एनबीटी, लखनऊ

पूरी दुनिया में अवैध कारोबार, जालसाजी और तस्करी से होने वाली कमाई से आतंकी संगठन फल-फूल रहे हैं। यह आतंकवादी और आपराधिक गतिविधियों के लिए आय का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। कारोबार में जालसाजी और तस्करी रोकने के लिए बनाई गई कमिटी- फिक्की कास्केड की ओर से शुक्रवार को एक होटल में हुए सेमिनार में कमिटी के सलाहकार पीसी झा ने बताया कि जालसाजी, नकली सामान के कारोबार और पायरेसी के कारण साल 2013 में पूरी दुनिया में 20 से 26 लाख लोगों का रोजगार छिना था। आज पूरी दुनिया में नकली सामान का बाजार 1.7 ट्रिलियन डॉलर का है। यह इसी तरह बढ़ता रहा तो साल 2022 तक 54 लाख लोगों का रोजगार छिन सकता है।

पीसी झा ने फिक्की की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए बताया कि नकली सामान के कारण वित्तीय वर्ष 2013-2014 में सिर्फ सात विनिर्माण क्षेत्रों में सरकार को लगभग 39000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर लोग सामान

फिक्की और उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की ओर से आयोजित जागरूकता सेमिनार में न्याय मंत्री बृजेश पाठक ने की शिरकत।

के साथ बिल लेने की आदत डाल लें तो इस समस्या से 80 फीसदी निजात मिल सकती है। इसके अलावा अवैध व्यापर से जुड़े कानून और सख्त करने की जरूरत है। इस दौरान सेमिनार के मुख्य अतिथि व न्याय मंत्री बृजेश पाठक ने कमिटी के पदाधिकारियों से इस सम्बंध में सिफारिशें भेजने को कहा ताकि अवैध कारोबार रोकने के लिए नीतियां बनाई जा सकें।

फिक्की कास्केड के सलाहकार व दिल्ली के पूर्व पुलिस कमिश्नर दीप चंद ने अवैध कारोबार रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने की बात कही। इस दौरान सेमिनार में कमिटी के फिक्की उत्तर प्रदेश स्टेट काउंसिल के सदस्य अमर तुलसीयानी, कस्टम के अतिरिक्त आयुक्त एआर नाईक, आईपीएस अतुल कुमार ओझा और आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता भी मौजूद रहे।

Aaj Tak

नकली सामान स्वास्थ्य के लिये हानिकारक-पाठक

लखनऊ, शुक्रवार। आदर्श व्यापार मंडल एवं फिक्की के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सेमिनार में नकली उत्पाद, मिलावटी सामान, तस्करी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था एवं व्यापार पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी एवं जागरूकता पर चर्चा की गई। ताज होटल में नकली उत्पादों की बिक्री, मिलावटी सामान की बिक्री एतस्करी के कारण भारत के व्यापार एवं सरकार के राजस्व पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव पर चर्चा की गई, सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के मंत्री बृजेश पाठक उपस्थित रहे, सेमिनार को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रसिद्ध उद्योगपति अमर तुलस्यान, फिक्की के सलाहकार दीपचंद, स्टेट हेड अमित एअधिशासी अधिकारी अंशुमाली बाजपाई, आई.जी पी ए सी नीलब्ध चौधरी, एडिशनल कमिसनर वी के सिंह एचेयरमैन ग्लोबल टैक्स पेएर मनीष खेमका, फूड विभाग के अधिकारी टीका राम व एसोचैम के विजय आचार्य ने भी संबोधित किया, मंत्री बृजेश पाठक ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा नकली सामान के कारण लोगों के स्वास्थ्य से, भविष्य से खिलवाड़ होता है दूसरी ओर सरकार के राजस्व को भी भारी नुकसान होता है उन्होंने कहा यदि आवश्यकता पड़ी तो नकली उत्पाद, मिलावटी उत्पाद एवं तस्करी को रोकने के लिए और सख्त कानून प्रभावी किए जाएंगे, उन्होंने कहा सरकार की प्राथमिकता जनता को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पहुंचाने की है, व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा व्यापारी सरकार के साथ मिलकर जनता को गुणवत्ता वाला सामान उपलब्ध कराएंगे, तकनीकी विशेषज्ञों ने सेमिनार में कानून की बारीकियों एवं नकली उत्पाद के कारण और प्रभाव कि आंकड़ों के साथ जानकारी दी कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, महामंत्री शशीकांत शर्मा, अध्यक्ष हरजिंदर सिंह, सहित बड़ी संख्या मे व्यापारी शामिल रहे

Spasht Awaaz

जालसाजी और तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने पर सेमीनार

लखनऊ। फिक्कीकास्केड अर्थ व्यवस्था को नष्ट कर रही जालसाजी और तस्करी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी ने शुक्रवार को जालसाजी एवं तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग एवं गठजोड़' विषय पर सेमीनार का आयोजन किया। जिसमें जालसाजी और तस्करी के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर और भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रभावी प्रवर्तन की जरूरत पर विमर्ष हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधि एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक ने इस संकट पर लगाम की दिशा में पहल के लिए फिक्की कास्केड को बधाई दी और उद्योग संगठन के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्योग जगत इस संबंध में अपनी सिफारिशे दे। भविष्य

में नीतियां बनाते समय इन्हे संज्ञान में लिया जाएगा। मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि आम जनता की तरफ से जरूरी और पर्याप्त समर्थन मिले तो सरकार जालसाजी और तस्करी के खतर से ज्यादा बेहतर तरीके से निपट सकती है और इस संबंध में नए कानून बना सकतीं है। फिक्की उत्तर प्रदेश स्टेट काउंसिल के सदस्य एवं शुद्ध प्लस के एमडी अमर तुलसीयान ने अपने स्वागत संबोधन में उद्योगों उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्था पर जालसाजी एवं तस्करी से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए वैध उद्योगों के अधिकारों की रक्षा की जरूरत को समझना बहुत जरूरी है। उत्तर आदर्श व्यापार मंडल एवं फिक्की के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सेमिनार में नकली उत्पाद मिलावटी सामान तस्करी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था एवं व्यापार पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी एवं जागरूकता पर चर्चा की गई 'नकली एवं मिलावटी सामान को रोकने के लिए आवश्यकता पड़ी तो कानूनों को और सख्त बनाया जाएगा। व्यापारी एवं सरकार मिलकर मिलावटी उत्पाद नकली उत्पाद एवं तस्करी को रोकने का काम करेंगे।

Tarunmitra

मिलावट व तस्करी को बनेगा सख्त कानून :पाठक

लखनऊ, 22 फरवरी (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल एवं फिक्की के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को गोमती नगर स्थित ताज होटल में नकली उत्पादों की बिक्री, मिलावटी सामान की बिक्री ,तस्करी के कारण भारत के व्यापार एवं सरकार के राजस्व पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के मंत्री बृजेश पाठक उपस्थित रहे।

सेमिनार को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि नकली सामान के कारण लोगों के स्वास्थ्य से, भविष्य से खिलवाड़ होता है। दूसरी ओर इससे सरकार के राजस्व को भी भारी नुकसान उठाना पड़ता है। यदि आवश्यकता पड़ी तो नकली उत्पाद,मिलावटी उत्पाद एवं तस्करी को रोकने के लिए और सख्त कानून प्रभावी किए जाएंगे। उन्होंने कहा सरकार की प्राथमिकता जनता को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पहुंचाने की है। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि आदर्श व्यापार मंडल ने नकली उत्पाद और मिलावटी उत्पाद के विषय को बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने अपने पदाधिकारियों को संकल्प दिलाया कि नकली उत्पादों से दूर रहेंगे। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा कि व्यापारी सरकार के साथ मिलकर जनता को गुणवत्ता वाला सामान उपलब्ध कराएं। तकनीकी विशेषज्ञों ने सेमिनार में कानून की बारीकियों एवं नकली उत्पाद के कारण और प्रभाव कि आंकड़ों के साथ जानकारी दी। सेमिनार को प्रसिद्ध उद्योगपति अमर तुलस्यान ,फिक्की के सलाहकार दीपचंद, स्टेट हेड अमित ,अधिशासी अधिकारी अंशुमाली बाजपाई,आई. जी पी ए सी नीलब्ध चौधरी,एडिशनल कमिसनर वी के सिंह ,चेयरमैन ग्लोबल टैक्स पेएर मनीष खेमका,फूड विभाग के अधिकारी टीका राम व संपादक अमर उजाला संजय अभिज्ञान, एसोचैम के विजय आचार्य ने भी संबोधित किया।

Voice of Lucknow

जालसाजों के लिए बनेगा नया कानून

वरिष्ठ संवाददाता

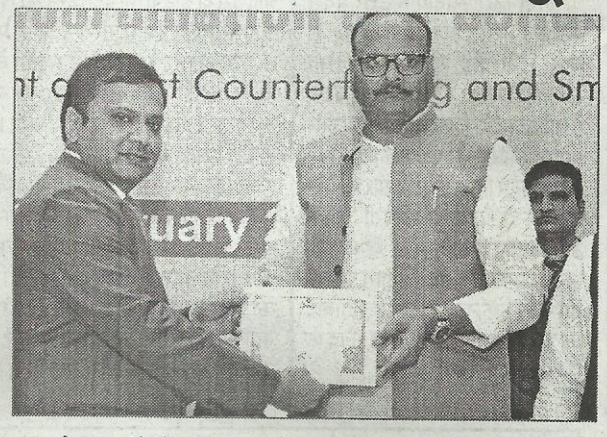

लखनऊ । तस्करी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी ने शुक्रवार को जालसाजी एवं तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग एवं गठजोड़ विषय पर सेमीनार का आयोजन किया। सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर और भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रभावी प्रवर्तन की जरूरत पर विमर्श हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधि एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक ने इस संकट पर लगाम की दिशा में पहल के लिए फिक्की कास्केड को बधाई दी और उद्योग संगठन के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिलाया।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्योग जगत इस संबंध में अपनी सिफारिशें दे। भविष्य में नीतियां बनाते समय इन्हें संज्ञान में लिया जाएगा। मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि आम जनता की तरफ से जरूरी और पर्याप्त समर्थन मिले तो सरकार जालसाजी और तस्करी के खतरे से ज्यादा बेहतर तरीके से निपट सकती है और इस संबंध में नए कानून बना सकती है। फिक्की उत्तर प्रदेश स्टेट कांउसिल के सदस्य अमर तुलसीयान ने अपने स्वागत संबोधन में उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्था पर जालसाजी एवं तस्करी से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए वैध उद्योगों के अधिकारों की रक्षा की जरूरत को समझाना बहुत जरूरी है। फिक्की कास्केड की 2015 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, केवल सात विनिर्माण क्षेत्रों में अवैध कारोबार के कारण सरकार को 39,239 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में से तंबाकू उत्पादों के अवैध कारोबार से सरकारी खजाने को सर्वाधिक 9139 करोड़ रुपये का अनुमानित घाटा हुआ। इसके बाद मोबाइल फोन के अवैध कारोबार से 6705 करोड़ रुपये और अल्कोहलयुक्त पेय के अवैध कारोबार से 6309 करोड़ रुपये का घाटा हुआ।

Daily News

जालसाजी व तस्करी के खिलाफ बनेंगी नीतियां, चलेगा अभियान

डेली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही जालसाजी और तस्करी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी) ने शुक्रवार को जालसाजी एवं तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग एवं गठजोड़' विषय पर सेमीनार का आयोजन किया। सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर और भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रभावी प्रवर्तन की जरूरत पर विमर्श हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक ने इस संकट पर लगाम की दिशा में पहल के लिए फिक्की कास्केड को बधाई दी और उद्योग संगठन के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्योग जगत इस संबंध में अपनी सिफारिशें दे। भविष्य में नीतियां बनाते समय इन्हें संज्ञान में लिया जाएगा। फिक्की स्टेट काउंसिल के सदस्य एवं शुद्ध प्लस के एमडी अमर तुलसीयान ने उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्था पर जालसाजी एवं तस्करी से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया।

Jansandesh

जालसाजी-तस्करी के खिलाफ लड़ाई पर सेमिनार

लखनऊ। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही जालसाजी और तस्करी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी) ने आज ह्याजालसाजी एवं तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग एवं गठजोड़ह्न विषय पर सेमीनार का आयोजन किया। सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर और भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रभावी प्रवर्तन की जरूरत पर विमर्श हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री श्री बृजेश पाठक ने इस संकट पर लगाम की दिशा में पहल के लिए फिक्की कास्केड को बधाई दी और उद्योग संगठन के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्योग जगत इस संबंध में अपनी सिफारिशें दे। भविष्य में नीतियां बनाते समय इन्हें संज्ञान में लिया जाएगा। माननीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर

दिया कि यदि आम जनता की तरफ से जरूरी और पर्याप्त समर्थन मिले तो सरकार जालसाजी और तस्करी के खतरे से ज्यादा बेहतर तरीके से निपट सकती है और इस संबंध में नए कानून बना सकती है। फिक्की उत्तर प्रदेश स्टेट काउंसिल के सदस्य एवं शुद्ध प्लस के एमडी श्री अमर तुलसीयान ने अपने स्वागत संबोधन में उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्था पर जालसाजी एवं तस्करी से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए वैध उद्योगों के अधिकारों की रक्षा की जरूरत को समझना बहुत जरूरी है।

Janmadhyam

जालसाजी और तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग और गठजोड़ पर सेमीनार

लखनऊ। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही जालसाजी और तस्करी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कमेटी) ने आज 'जालसाजी एवं तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग एवं गठजोड़' विषय पर सेमीनार का आयोजन किया। सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर और भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रभावी प्रवर्तन की जरूरत पर विमर्श हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री श्री बृजेश पाठक ने इस संकट पर लगाम की दिशा में पहल के लिए फिक्की कास्केड को बधाई दी और उद्योग संगठन के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्योग जगत इस संबंध में अपनी सिफारिशें दे। भविष्य में नीतियां बनाते समय इन्हें संज्ञान में लिया जाएगा। माननीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि आम जनता की तरफ से जरूरी और पर्याप्त समर्थन मिले तो सरकार जालसाजी और तस्करी के खतरे से ज्यादा बेहतर तरीके से निपट सकती है और इस संबंध में नए कानून बना सकती है। फिक्की उत्तर प्रदेश स्टेट काउंसिल के सदस्य एवं शुद्ध प्लस के एमडी श्री अमर तुलसीयान ने अपने स्वागत संबोधन में उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्था पर जालसाजी एवं तस्करी से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को बढाने के लिए वैध उद्योगों के अधिकारों की रक्षा की जरूरत को समझना बहुत जरूरी है।

फिक्की कास्केड की 2015 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, केवल सात विनिर्माण क्षेत्रों में अवैध कारोबार के कारण सरकार को 39,239 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में से तंबाकू उत्पादों के अवैध कारोबार से सरकारी खजाने को सर्वाधिक 9139 करोड़ रुपये का अनुमानित घाटा हुआ। इसके बाद मोबाइल फोन के अवैध कारोबार से 6705 करोड़ रुपये और अल्कोहलयुक्त पेय के अवैध कारोबार से 6309 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। फिक्की की हालिया रिपोर्ट 'अवैध कारोबार: आतंकवाद और संगठित अपराध का वित्तपोषक' के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर आतंकवाद जैसी आपराधिक गतिविधियों के लिए जालसाजी आय का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। रिपोर्ट में इस बात को भी रेखांकित किया गया कि जालसाजी और पायरेसी के कारण 2013 में वैश्विक स्तर पर 20 से 26 लाख लोगों का रोजगार छिना था और 2022 तक इससे 42 से 54 लाख तक रोजगार छिनने का अनुमान है, जो कि 110 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

फिक्की कास्केड की अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में तस्करी कई तरीकों जैसे मिस-डिक्लेरेशन (संबद्ध एजेंसियों को गलत जानकारी देना), अवमूल्यन (आयात या निर्यात के मूल्य को कम करके दिखाना), मिसयूज ऑफएंड यूज (किसी अन्य उद्देश्य के नाम पर लाई हुई वस्तु का अवैध तरीके से गलत कार्य में उपयोग) और अन्य माध्यमों से होती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2016 में 1,187 करोड़ रुपये मूल्य की मिस-डिक्लेरेशन के जरिये तस्करी की गई वस्तुएं जब्त की गईं, जबकि इस दौरान अवमूल्यन दिखाकर गलत तरीके से लाई गई 254 करोड़ रुपये की वस्तुएं जब्त की गईं।

Swatantra Chetna

जनता से समर्थन मिले तो सरकार जालसाजी और तस्करी से ज्यादा बेहतर तरीके से निपट सकती है : बृजेश पाठक

लखनऊ 22 फरवरी । फिक्की कास्केड ने आज 'जालसाजी एवं तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए संवाद, सहयोग एवं गठजोड़' विषय पर सेमीनार का आयोजन किया।सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर और भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रभावी प्रवर्तन की जरूरत पर विमर्श हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक ने इस संकट पर लगाम की दिशा में पहल के लिए फिक्की कास्केड को बधाई दी और उद्योग संगठन के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्योग जगत इस संबंध में अपनी सिफारिशें दे। भविष्य में नीतियां बनाते समय इन्हें संज्ञान में लिया जाएगा। मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि आम जनता की तरफ से जरूरी और पर्याप्त समर्थन मिले तो सरकार जालसाजी और तस्करी के खतरे से ज्यादा बेहतर तरीके से निपट सकती है और इस संबंध में नए कानून बना सकती है। फिक्की उत्तर प्रदेश स्टेट काउंसिल के सदस्य एवं शुद्ध प्लस के एमडी श्री अमर तुलसीयान ने अपने स्वागत संबोधन में उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्था पर जालसाजी एवं तस्करी से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया।